टूर संदर्भ
LKW8TQ7NEY

साहसिक भावना (18 दिन)

18 दिन · 17 रातें | ड्राइवर-गाइड के साथ निजी टूर

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

इस अनुभव के बारे में

यह 18-दिवसीय दौरा श्रीलंका की पूरी श्रृंखला को शामिल करता है, सूखे क्षेत्र के प्राचीन शहरों से लेकर पहाड़ी इलाकों और दक्षिणी और पूर्वी तटों तक। यह नेगोम्बो के समुद्र तटों से शुरू होता है और पवित्र शहर अनुराधापुरा, सिगिरिया के चट्टान किले, पोलोन्नरुवा के खंडहर और डाम्बुल्ला के आसपास के राष्ट्रीय उद्यानों से होकर जाता है, फिर पूर्व की ओर पासिकुडा, अंतर्देशीय कैंडी, किथुलगला, नुवारा एलिया और एल्ला की ओर जाता है, और अंत में दक्षिण की ओर याला और गल्ले की ओर जाता है।

यात्रियों को इतिहास, वन्यजीवन और गतिविधि का मिश्रण मिलता है: प्राचीन मठ और स्तूप, गुफा मंदिर और चट्टान किले, हाथियों और तेंदुओं की तलाश में दो सफारी, केलानी नदी पर व्हाइटवाटर राफ्टिंग, एल्ला के आसपास एक ट्रेन-युग की सैर, और पासिकुडा और गल्ले में समुद्र तट पर समय। दंत मंदिर, कैंडी सांस्कृतिक शो और गल्ले किले जैसे सांस्कृतिक पड़ाव कबूतर द्वीप, मधु नदी और हुम्मनया ब्लोहोल सहित प्राकृतिक दृश्यों के साथ जोड़े जाते हैं।

दौरा एक निजी यात्रा कार्यक्रम के रूप में चलता है, जिसमें एक चालक गाइड पूरे समय होता है, जो गंतव्यों के बीच ड्राइव करता है और रास्ते में प्रत्येक स्थान का परिचय देता है।



दिन-दर-दिन यात्रा कार्यक्रम

दिन 1 हवाई अड्डा → नेगोम्बो

यह यात्रा पश्चिमी तट पर स्थित नेगोम्बो से शुरू होती है, जो अपने समुद्र तटों और सदियों पुरानी मछली पकड़ने की परंपरा के लिए जाना जाता है।

नेगोम्बो के समुद्र तट और मत्स्य उद्योग

नेगोम्बो के रेतीले समुद्र तटों का आनंद लें और इसके सदियों पुराने मत्स्य उद्योग को कार्यरत देखें।

जल क्रीड़ा और स्कूबा डाइविंग

प्रवाल भित्तियों और समुद्री जीवन के बीच जल क्रीड़ा और डाइविंग का आनंद लें, जिसमें तट के पास डूबा एक 50 वर्ष पुराना जहाज़ भी शामिल है, जो अब कई प्रकार की मछलियों का आश्रय स्थल बन चुका है।

दिन 2 नेगोम्बो → अनुराधापुर

आज का दिन श्रीलंका में बौद्ध धर्म के जन्मस्थान और इसकी पहली महान राजधानी के खंडहरों को समर्पित है।



मिहिंतले

उस स्थल पर जाएं जहां राजा देवानामपियतिस्स की भिक्षु महिंद से भेंट हुई थी, जिसने श्रीलंका में बौद्ध धर्म की शुरुआत को चिह्नित किया। पर्वत की तलहटी में स्थित मठीय खंडहर, महिंद के निवास की गुफा, और अम्बस्थला दागोबा तथा महा स्तूप जैसे ऐतिहासिक स्तूप देखें।

Dennis Sylvester Hurd · CC0

अनुराधापुर का प्राचीन नगर

उस खंडहर नगर में टहलें जो 10वीं शताब्दी ईस्वी तक एक हजार से अधिक वर्षों तक श्रीलंका की राजधानी रहा। यहां बिखरे हुए शिवालयों, मठीय भवनों और तालाबों को देखें, साथ ही जेतवनाराम स्तूप जैसे स्थलों को भी, जो कभी प्राचीन विश्व की सबसे ऊंची संरचनाओं में से एक था, श्री महा बोधि, और अभयगिरि मठ के खंडहर।

दिन 3 अनुराधापुर → दांबुला → सिगिरिया → दांबुला

आज का दिन एक गुफा मंदिर परिसर और सिगिरिया चट्टानी किले की चढ़ाई को जोड़ता है।



दांबुला का स्वर्ण मंदिर

पहली शताब्दी ईसा पूर्व के गुफा मंदिरों में प्रवेश करें, जहां बुद्ध के जीवन को दर्शाती भित्ति चित्रकारी और पांच मुख्य गुफाओं में बुद्ध व अन्य देवताओं की सैकड़ों प्रतिमाएं हैं, जिनमें दिव्य राजा की गुफा, महान राजा की गुफा और महान नया मठ शामिल हैं। गुफा परिसर से कुछ दूरी पर एक विशाल स्वर्णिम बुद्ध प्रतिमा स्थित है।

Lankapic · CC BY 2.5



सिगिरिया चट्टानी किला

5वीं शताब्दी ईस्वी में राजा कश्यप द्वारा निर्मित इस चट्टानी किले पर चढ़ें, और एक सिंह-आकार के प्रवेशद्वार के अवशेषों से होकर प्रवेश करें, जिसके कारण इस चट्टान का यह नाम पड़ा। प्रसिद्ध भित्ति चित्रों को देखें, सीढ़ियों से होकर सोपानदार उद्यानों और आज भी कार्यरत जलाशयों तक पहुंचें, और उन सुरंगों से होकर गुजरें जो पूर्व राजमहल की ओर जाती हैं।

Wrobell · CC BY-SA 3.0

दिन 4 दांबुला → पोलोन्नारुवा → मिन्नेरिया → दांबुला

आज का दिन पोलोन्नारुवा के मध्यकालीन खंडहरों को मिन्नेरिया राष्ट्रीय उद्यान में दोपहर बाद की सफारी के साथ जोड़ता है।



पोलोन्नारुवा का प्राचीन नगर

श्रीलंका की दूसरी प्रमुख राजधानी रहे इस नगर के खंडहरों में टहलें, जो 10वीं से 13वीं शताब्दी ईस्वी के बीच अपने उत्कर्ष पर था। गल विहार, वाटादागे, कमल स्नानागार, लंकातिलक मंदिर और राजा पराक्रमबाहु की प्रतिमा जैसे स्मारकों को देखें, जिनके शासनकाल को नगर का स्वर्ण युग माना जाता है।

Bernard Gagnon · CC BY-SA 3.0



मिन्नेरिया राष्ट्रीय उद्यान सफारी

मिन्नेरिया राष्ट्रीय उद्यान में तीन घंटे की सफारी करें। मई से अक्टूबर के शुष्क मौसम में, यह स्थल महान हाथी समागम का साक्षी बनता है, जब 150 से अधिक हाथी एक स्थान पर एकत्र होते हैं, और इनके साथ उद्यान की झाड़ीदार भूमि तथा वनों में रहने वाले अन्य स्तनधारी, पक्षी, सरीसृप और उभयचर भी देखने को मिलते हैं।

Stuart Pinkney · CC BY 2.0

दिन 5 दांबुला → पासिकुडा

नाश्ते के बाद, चेक-आउट करें और पूर्वी तट पर स्थित पासिकुडा की ओर प्रस्थान करें।

दिन 6 पासिकुडा

पासिकुडा में होटल की सुविधाओं का आनंद लेने के लिए एक खाली दिन।

दिन 7 पासिकुडा

आज का दिन पासिकुडा के तट के पास स्थित समुद्री उद्यान की सैर में व्यतीत होता है।



पिजन द्वीप राष्ट्रीय उद्यान

छोटे और बड़े पिजन द्वीपों तथा बड़े द्वीप को घेरने वाली प्रवाल भित्ति पर जाएं, जहां प्रजनन करने वाले रॉक कबूतर पाए जाते हैं। यहां पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रवालों और अन्य समुद्री जीवन को देखने के लिए द्वीपों की खोज करें।

AntanO · CC BY-SA 4.0

दिन 8 पासिकुडा → कैंडी

कैंडी की ओर अंतर्देशीय यात्रा करें, शाम का समय एक पारंपरिक नृत्य प्रदर्शन के लिए समर्पित होगा।



कैंडी सांस्कृतिक शो

एक घंटे लंबा शो देखें जिसमें श्रीलंका के कुछ सबसे लोकप्रिय पारंपरिक कला रूप शामिल हैं, जिनमें अग्नि नर्तक, तलवार नर्तक और कैंडियन नर्तक पारंपरिक ढोल की थाप पर प्रदर्शन करते हैं।

Arian Zwegers · CC BY 2.0

दिन 9 कैंडी

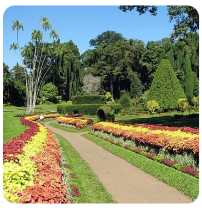
आज का दिन कैंडी के दो सबसे प्रसिद्ध स्थलों - इसके पवित्र मंदिर और इसके वनस्पति उद्यान - को समर्पित है।



दलदा मालिगावा (दंत अवशेष मंदिर)

इस यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल पर जाएं, जिसे 16वीं शताब्दी में बुद्ध के पवित्र दंत अवशेष को सुरक्षित रखने के लिए बनाया गया था। लाल, क्रीम और काले रंगों में सजे गलियारों और चित्रित हॉलों से होकर, नक्काशीदार स्तंभों और स्वर्णिम प्रतिमाओं के पास से गुजरें।

A.Savin · FAL



शाही वनस्पति उद्यान, पेराडेनिया

19वीं शताब्दी की शुरुआत में स्थापित इस वनस्पति उद्यान में टहलें, जहां ऑर्किड, मसालों और औषधीय पेड़ों सहित 4,000 से अधिक पौधों की प्रजातियां पाई जाती हैं। तोप के गोले वाला पेड़ देखें, झूला पुल पार करें, और झाड़ी भूलभुलैया तथा दुर्लभ पेड़ों की गलियों से होकर टहलें।

Bernard Gagnon · CC BY-SA 3.0

दिन 10 कैंडी → किथुलगला

मार्ग किथुलगला तक जारी रहता है, जहां एक दिन व्हाइटवाटर राफ्टिंग के लिए समर्पित है।

केलानी नदी पर व्हाइटवाटर राफ्टिंग

केलानी नदी पर 5 किमी लंबे रैपिड्स पर राफ्टिंग करें, पूरी यात्रा के दौरान उचित सुरक्षा उपाय लागू रहते हैं।

दिन 11 किथुलगला

किथुलगला के होटल में एक खाली दिन, जहां आप इसकी साहसिक गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं।

दिन 12 किथुलगला → नुवारा एलिया → एला

यह यात्रा नुवारा एलिया से होकर गुजरती है, जो ब्रिटिशों का पसंदीदा पहाड़ी अवकाश स्थल रहा है, इसके बाद एला की ओर आगे बढ़ती है।



नुवारा एलिया

19वीं और 20वीं शताब्दी की शुरुआत में ब्रिटिशों के इस पूर्व अवकाश नगर की गलियों में, कॉटेज, विला और हवेलियों के पास से टहलें। पुराने लाल-ईंट वाले डाकघर को देखें, और क्वीन विक्टोरिया पार्क या लेक ग्रेगरी के पास आराम करें।

Abdul malik77 · CC BY-SA 4.0

दिन 13 एला → याला

आज का दिन याला की ओर दक्षिण में आगे बढ़ने से पहले एला के सबसे प्रसिद्ध स्थलों को शामिल करता है।



लिटिल एडम्स पीक

चाय के बागानों और चट्टानी हिस्सों से होकर लिटिल एडम्स पीक के मनोरम दृश्यों तक पहुंचें।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



नाइन आर्चेज ब्रिज

नाइन आर्चेज ब्रिज पर टहलें और इसके निर्माण की कहानी सुनें।

Deitel55 · CC BY-SA 3.0



डेमोडारा रेलवे स्टेशन

इस सैर का समापन डेमोडारा रेलवे स्टेशन पर करें, जो अपने अनोखे लूप-ओवर ट्रैक डिज़ाइन के लिए जाना जाता है।

A.Savin · FAL

दिन 14 याला

आज का दिन श्रीलंका के सबसे प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों में से एक में सफारी के लिए निर्धारित है।



याला राष्ट्रीय उद्यान सफारी

दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित द्वीप के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान, याला में तीन घंटे की सफारी करें। श्रीलंकाई तेंदुओं, जंगली जल भैंसों, श्रीलंकाई स्लॉथ भालुओं और हाथियों के बड़े झुंडों को देखें, साथ ही उद्यान के अन्य कई स्तनधारी, पक्षी, सरीसृप, उभयचर, मछलियां और अकशेरुकी जीव भी।

Ranmith Welikala · CC BY-SA 4.0

दिन 15 याला → गाले

गाले का मार्ग एक प्राकृतिक ब्लोहोल से होकर गुजरता है, इससे पहले कि आप किलेबंद पुराने नगर में पहुंचें।



हुम्मानाया ब्लोहोल

कुदावेल्ला गांव के पास स्थित हुम्मानाया पर जाएं, जो संभवतः विश्व का दूसरा सबसे बड़ा ब्लोहोल है, और समुद्री जल के छिड़काव के साथ आने वाली गहरी गूंजती ध्वनि को सुनें, जिसके कारण इसका यह नाम पड़ा है।

Dan arndt · CC BY-SA 4.0



गाले किला

गाले की सैर करें, जो कभी पुर्तगालियों और डचों का मुख्यालय रह चुका है, और एशिया के सबसे सुसंरक्षित किलेबंदियों में से एक है। इसके संग्रहालयों और प्रकाश स्तंभ को देखें, और डच नामों वाली पत्थर जड़ित गलियों में टहलें।

Rovin Shanila · CC BY-SA 4.0

दिन 16 गाले → बेन्तोता → गाले

मडु नदी के मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र से होकर एक नाव सफारी के लिए उत्तर की ओर एक दिवसीय यात्रा।



मडु नदी नाव यात्रा

मडु नदी के मैंग्रोव चैनलों से होकर दो घंटे की नाव यात्रा करें, धूप सेंकते मगरमच्छों और जल गोहों को देखें, और एक छोटे द्वीप पर जाएं जहां दालचीनी की खेती की जाती है। जल पक्षियों को उनके प्राकृतिक आवास में देखें, और मछली मालिश का अनुभव लें।

SUPindia · CC BY-SA 4.0

दिन 17 गाले

गाले के समुद्र तट पर आराम करने के लिए एक खाली दिन।

दिन 18 गाले → हवाई अड्डा

नाश्ते के बाद, चेक-आउट करें और प्रस्थान उड़ान के लिए हवाई अड्डे की ओर स्थानांतरित हों।

क्या शामिल है

शामिल है

- Transport in a Private Vehicle, inclusive of all chauffeur accommodation.
- Service of an English-Speaking Chauffeur Guide throughout the tour.
- All prevailing taxes and service charges.

शामिल नहीं है

- Entry Visa Fees.
- International / Domestic Airfare.
- Any expenses of personal nature.
- Entrance fees.